G -14 (Pages : 02) DAM - 22

[Total No. of Questions : 6]

# B.A. (Semester - VI) Examination, April/May - 2011

## HINDI : HNE - 11

## Hindi Sahitya : Ritikaal

FR. AGNEL COLLEGE OF ARTS & COMM. LIBRARY PIL

Duration : 2 Hours] [Total Marks : 80

---

प्र.*1)* निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के लघु–उत्तर लिखिए। [16]

i) 'शाहजहाँ के समय में स्थापत्य कला की विशेष उन्नति हुई।' – उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

ii) औरंगजेब की शासन नीति पर प्रकाश डालिए।

iii) 'कलाकाल' नामकरण किसने किया ? प्रस्तुत नामकरण की सीमाएँ बताइए।

iv) कवि पद्माकर का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

v) मतिराम के अनुसार भगवान शिव किसप्रकार प्रसन्न होते है ?

vi) छंद किसे कहते हैं ? मात्तिक तथा वर्णिक छंद का परिचय दीजिए।

प्र.*2)* निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के लघु–उत्तर लिखिए। [16]

i) रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य में प्रमुख अंतर क्या है ?

ii) रीतिमुक्त काव्य की विरह वर्णन पद्धति पर प्रकाश डालिए।

iii) रीतिबद्ध कवियों के काव्यकौशल का परिचय दीजिए।

iv) कवि देव का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

v) धनानंद की नायिका पवन–प्रशंसा किसप्रकार करती है ?

vi) 'प्रतीप' अलंकार को परिभाषित करते हुए उदाहरण दीजिए।

प्र.*3)* निम्नलिखित अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। [6]

अ) इंद्र जिमि जंभ पर बाडव सुअंभ पर,
रावन सदंभ पर रघुकुल राज है।
पौन बरिबाह पर संभु रतिनाह पर,
ज्यौं सहसबाहु पर राम द्विजराज है।
दावा द्रुम दंड पर चीता मृग झुंड पर,
भूषण वितुंड पर जैसे मृगराज है।
तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर
त्यों मलिच्छ बंस पर सेर सिवराज है।

*P.T.O.*

अथवा

बढ़त–बढ़त संपत्ति सलिलु, मन सरोज बढ़ि जाइ।
घटत घटत सु न फिरि घटै, बरु समूल कुम्हिलाइ।।

×× ×× ××

जप माला छापा तिलक, सरै न एकौ कामु।
मन काँचै नाचै वृथा, साँचै राँचै रामु।।

आ) कवि देव ने वर्षाऋतु का वर्णन किसप्रकार किया है ? [6]

अथवा

कवि पद्माकर के पठित पदों के आधार पर गोपियों के कृष्णविरह का चित्रण कीजिए।

प्र.4) रीतिकाल के सामाजिक तथा धार्मिक परिवेश पर प्रकाश डालिए। [12]

अथवा

टिप्पणियाँ लिखिए :

i) रीतिकाल का राजनैतिक परिवेश। [6+6]

ii) 'श्रृंगारकाल' नामकरण।

प्र.5) रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। [12]

अथवा

टिप्पणियाँ लिखिए :

i) रीतिबद्ध काव्य में श्रृंगार का स्वरुप। [6+6]

ii) कवि धनानंद।

प्र.6) क) निम्नलिखित छंदो में से किन्हीं दो के लक्षण बताकर उदाहरण दीजिए। [6]

i) रोला
ii) हरिगीतिका
iii) द्रुतविलंबित
iv) इंद्रवज्रा

ख) निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं दो को परिभाषित करते हुए उदाहरण दीजिए। [6]

i) विरोधाभास
ii) अपह्नुति
iii) अतिशयोक्ति
iv) भ्रांतिमान

❑❑❑

G - 15

[Total No. of Questions : 6] (Pages : 02)

DAM - 23

# B.A. (Semester - VI) Examination, April/May - 2011

## HINDI : HNE - 12

## Aadhunik Hindi Gadya

## (आधुनिक हिन्दी गद्य)

**Duration : 2 Hours**

**Total Marks : 80**

प्र.*1)* निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए। [16]

i) नई कहानी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

ii) तिलस्मी उपन्यास किसे कहते हैं ? किन्हीं दो तिलस्मी उपन्यासों के नाम लिखिए।

iii) प्रेमचंद और प्रसाद की कहानियों में क्या अंतर है ?

iv) मृदुला गर्ग के उपन्यासों की चर्चा कीजिए।

v) 'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक में कबीर के व्यक्तित्व के किन पहलुओं को रेखांकित किया गया है ?

vi) अन्धे भिखारी को कोतवाली में क्यों बुलाया जाता है ?

प्र.*2)* निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए। [16]

i) निबंधकार हजारीप्रसाद द्विवेदी का महत्व बताइए।

ii) भारतेन्दु के नाटकों की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

iii) किन्हीं दो शुक्लोत्तर हास्य-व्यंग्य निबंधकारों की चर्चा कीजिए।

iv) प्रभा खेतान का संक्षेप में परिचय दीजिए।

v) नूरा के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

vi) नीमा कबीर से कौन-सी बात छिपाकर रखती है ? क्यों ?

*3)* निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

अ) ''अब तक तो दोस मेरा नहीं था, पर अब तुम्हें घर पर रखा, तब तो दोस मेरा ही होगा।''[6]

**अथवा**

''लेकिन तेरा कोई दीन भी तो होगा। तू इबादत भी तो करता होगा।''

*P.T.O.*

आ) 'कबिरा खड़ा बजार में' चित्रित मध्यकालीन समाज की विभिन्न विकृतियों पर प्रकाश डालिए। [6]

अथवा

'कबीर' अथवा 'लोई' की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

[12]

प्र.*4)* प्रेमचंदयुगीन कहानियों की चर्चा कीजिए।

अथवा

[6+6]

टिप्पणियाँ लिखिए।

i) प्रेमचंदपूर्व हिन्दी उपन्यास।

ii) आँचलिक उपन्यास।

[12]

प्र.*5)* शुक्लयुगीन निबंधों का विवेचन कीजिए।

अथवा

[6+6]

टिप्पणियाँ लिखिए।

i) प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक।

ii) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटककार।

[1

प्र.*6)* प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

[6

टिप्पणियाँ लिखिए।

i) मनोवैज्ञानिक कहानी।

ii) भारतेन्दुयुगीन निबंध।

❑❑❑

G - 16 (Pages : 02) DAM - 24

[Total No. of Questions : 6]

# B.A. (Semester - VI) Examination, April/May - 2011

## HINDI : HNE - 13

## Nibandh Evam Jansanchar Madhyam Lekhan

Duration : 2 Hours Total Marks : 60

प्र.*1)* निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर 500-600 शब्दों में निबन्ध लिखिए : [12]

i) आज का सिनेमा।

ii) नशीली दवाओं के गर्त में गोवा।

iii) हिन्दी में प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास।

iv) जैसा मैं वैसा मेरा देश।

v) प्रदूषण पर चर्चा कब तक !

vi) युवावर्ग और बेरोजगारी।

प्र.*2)* अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघुत्तर लिखिए। [9]

i) प्रूफ के विभिन्न प्रकार कौन से हैं ?

ii) 'संवाद' साक्षात्कार का सबसे महत्वपूर्ण तत्त्व क्यों है ?

iii) समाचारों के विभिन्न स्रोतों की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

iv) प्रभाववादी पुस्तक समीक्षा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

v) आज के सन्दर्भ में वृत्तचित्र की क्या उपयोगिता है ?

आ) प्रूफ–पठन के निम्नलिखित चिन्हों के अर्थ बताइये। [3]

i) ═══ ii) ?

iii) [/] iv) # no

v) ⓢ/ vi) ×

प्र.*3)* साक्षात्कार के दौरान साक्षात्कारकर्ता को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, चर्चा कीजिए। [9]

**अथवा**

साक्षात्कारदाता के गुणों को रेखांकित कीजिए। [9]

*P.T.O.*

प्र.4) पुस्तक समीक्षा की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डालिए। [9]

**अथवा**

एक आदर्श पुस्तक समीक्षक की विशिष्टताओं को स्पष्ट कीजिए। [9]

प्र.5) समाचार लेखन के विभिन्न स्त्रोतों का उल्लेख करते हुए 'इंट्रो' तथा 'समाचार-संक्षेपण' की महत्ता पर प्रकाश डालिए। [9]

**अथवा**

समाचार लेखन में 'सूत्रोल्लेख' तथा 'भाषा' तत्व की चर्चा कीजिए। [9]

प्र.6) वृत्तचित्र लेखन के लिए 'तथ्यों की सत्यता और शोध' सबसे महत्वपूर्ण अंग है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [9]

**अथवा**

यात्रा-वृत्तांत एवं कहानी वृत्तचित्र की विशिष्टताओं को सोदाहरण समझाइये। [9]

❑❑❑

G - 359

[Total No. of Questions : 6] (Pages : 03)

PAM - 12

# B.A. (Semester - V) Examination, April/May 2011
## HINDI
## HNE - 5 : Hindi Sahitya - Aadikal Aur Bhaktikal

*Duration : 2 Hours*

*Total Marks : 80*

*चना : सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है ।*

*न 1)* निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए। [16]

i) आदिकालीन समाज की वर्ण-व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

ii) जैन काव्य के आध्यात्मिक पक्ष को रेखांकित कीजिए।

iii) किन्हीं चार सिद्धों के नाम बताते हुए इस काव्यधारा की भाषा-शैली का उल्लेख कीजिए।

iv) 'रासो काव्य' के चार ग्रंथों का नाम लिखते हुए, इस धारा की विषयवस्तु को स्पष्ट कीजिए।

v) 'पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा -------' कबीर की इस प्रसिद्ध उक्ति का अभिप्राय समझाइए।

vi) सत्गुरु की महिमा का वर्णन कबीर किस प्रकार करते हैं ?

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [16]

i) भक्ति-आंदोलन के उद्भव की चर्चा कीजिए।

ii) 'पद्मावत' के रचयिता कौन हैं ? इस काव्यग्रंथ की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

iii) अष्टछाप के कवि किस शाखा के अंतर्गत आते हैं ? कवियों के नाम लिखिए।

iv) सन्तों के माया संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।

v) 'यह तन काचा कुंभ है ------' दोहे का आशय समझाइए।

vi) 'लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल' पंक्ति में निहित अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) अ) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

भाई रे दुई जगदीस कहाँ ते आया, कहु कौन बौराया।
अल्ला राम करीमा केसौ, हरि हजरत नाम धराया।।
गहना एक कनक ते गहना, यामे भाव न दूजा।
कहन सुनन को दुई करि थापे, एक निमाज एक पूजा।।
वोही महादेव, वोही मुहम्मद, ब्रह्मा आदम कहिए।
को हिन्दू को तुरक कहावै, एक जिमीं पर रहिए।
वेद कितेब पढै वै कुतुबा, वै मौलाना वै पांडे।
वेगरि वेगरि नाम धराये, एक मटिया के भांडे।
कहै कबीर वै दूनों भूले, रामहिं किनहुँ न पाया।
वै खंसी वै गाय कटावै, बादहिं जन्म गमाया।।

अथवा

गुरु मोहिं घुँटिया अजर पियाई।
गुरु मोहिं घुँटिया अजर पियाई, भई सुचित मेही दुचिताई।
नाम-औसधी अधर-कटोरी, पियत अधाई कुमति गई मोरी,
ब्रह्मा-विस्नु पिये नहीं पाये, सोजत्त संभू जनम गँवाये।
सुरत है निरत करि पियै जो कोई, कहै कबीर अमर होय सोई।

ब) पठित पदों के आधार पर धार्मिक आडम्बरों के विरोध संबंधी कबीर के विचारों पर प्रकाश

अथवा

पठित रचनाओं के आधार पर कबीर के नीतिपरक चिंतन का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) रासो काव्य की प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

i) जैन काव्य।

ii) आदिकालीन राजनीतिक परिवेश।

प्रश्न 5) कृष्णकाव्य की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। [12]

अथवा

निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। [6+6]

i) संत काव्य।

ii) भक्तिकालीन सामाजिक परिस्थितियाँ।

प्रश्न 6) आदिकालीन सामाजिक परिवेश को रेखांकित कीजिए। [12]

अथवा

निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। [6+6]

i) रामभक्ति शाखा।

ii) सूफी काव्य में प्रेम-तत्व।

■ ■ ■